मु.मंत्री भजनलाल शर्मा का बड़ा व्यस्त कार्यक्रम रहा दिल्ली में

मुख्यमंत्री ने लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, गृह मंत्री अमित शाह सहित कई वरिष्ठ केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात की

नई दिल्ली/ जयपुर, 20 मार्च। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को नई दिल्ली में लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला सहित, कई केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर प्रदेश की विकास परियोजनाओं के संबंध में चर्चा की। शर्मा ने लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला से संसद भवन स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की। मुलाकात के दौरान, राजस्थान में विकास कार्यों की प्रगति, जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन सहित विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा की गई।

भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके संसद भवन स्थित कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शाह के साथ राजस्थान में विकास और प्रगति के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से भी भेंट की। दोनों नेताओं ने प्रदेश की विकासशील योजनाओं, राजस्थान में वित्तीय संसाधनों का आवंटन, राज्य की आर्थिक विकास योजनाओं एवं केन्द्र राज्य सहयोग के विषयों पर चर्चा की। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से भी संसद भवन में मुलाकात कर रिफाइनरी एवं भविष्य की रणनीतिक योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ उनके निवास पर मुलाकात कर भजनलाल ने प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के बारे में चर्चा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित कई केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात की।

- मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से संसद में उनके ऑफिस में मुलाकात की और प्रदेश की विकास योजनाओं पर चर्चा की।
- मुख्यमंत्री ने नितिन गडकरी, मनोहर लाल खट्टर, शिवराज सिंह, मनसुख मांडविया और सी.आर. पाटिल से भी पृथक-पृथक मुलाकातें कीं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं केमिकल और फर्टिलाईजर मंत्री जे.पी. नड्डा से मुलाकात कर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से भी शिष्टाचार भेंट की और राजस्थान में खेल संबंधित आधारभूत संरचनाओं के विकास को लेकर बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भी भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच राजस्थान में विकास परियोजनाओं, ई-बसों, अवसंरचना निर्माण तथा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आगामी योजनाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह से भेंट कर ग्रामीण विकास के विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा की।

शर्मा ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल से भेंट कर राज्य के पेयजल एवं सिंचाई संबंधित मुद्दों के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

तमिलनाडु ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टी ए एस एम ए सी ने हाई कोर्ट में अपील की कि ई डी के एक्शन अतिवादी थे और उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर थे। तमिलनाडु सरकार ने भी इस मामले में याचिका दायर की। स्टाफ की शिकायत थी कि ईडी अधिकारी अचानक घुस आए तथा कर्मचारियों के अधिकारों का उल्लंघन किया। यही नहीं उनके मोबाइल फोन छीनकर निजता का हनन भी किया।

टी ए एस एम ए सी के वकील ने कहा कि "कुछ लोगों को 60 घंटे तक बिठाए रखा गया कुछ को रात एक बजे 6 घंटे के लिए घर जाने दिया गया, बशर्ते कि वे सुबह 8-9 बजे वापस आ जाएं। ईडी की कार्यवाही तीन दिन चली।"

सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे एडवोकेट जनरल पी एस रमन ने कहा कि महिलाओं को रात एक बजे घर जाने की अनुमति दी गई और सुबह 8-9 बजे वापस आने की हिदायत दी गई।

टी ए एस एम ए सी के वकील ने कहा, "सैक्शन 17 के तहत आप मेरे परिसर में नहीं घुस सकते। आप को अपना अधिकार पत्र दिखाना होगा। आप को दिखाना होगा कि इसका सीधा सम्बंध प्रिवैंशन ऑफ मनी लॉण्डरिंग एक्ट से है आप सब कुछ कब्जे में ले रहे हैं, मोबाइल फोन भी, क्या यह निजता के अधिकार का उल्लंघन नहीं है।" लेकिन ईडी का प्रतिनिधित्व कर रहे एडीशनल सॉलिसिटर जनरल एस सुंदरेशन ने इन दावों का जोरदार खंडन किया। उन्होंने कहा कि किसी को भी बंधक नहीं बनाया गया, सभी को घर जाकर आने की अनुमति दी गई थी।

ईडी के अनुसार टी ए एस एम ए सी की खुदरा दुकानें ग्राहकों से एक बोतल पर 10 से 30 रुपये ज्यादा ले रहे थे।

पुतिन ने अगूंठा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

योग्य नहीं रहा क्योंकि यहां एक बड़ी आग लग गई थी और पूरा क्षेत्र जलकर राख हो गया।

अब इन घटनाओं को देखते हुए, अमेरिकी रणनीतिक और सुरक्षा विशेषज्ञों के लिए यह स्पष्ट हो गया है कि रुस ने डॉनल्ड ट्रंप के त्वरित युद्धविराम और शांति समझौते के प्रयास को नकार दिया है। लेकिन इस विफलता ने राष्ट्रपति ट्रंप की व्यक्तिगत छवि को नुकसान पहुँचाया है।

सार्वजनिक अपमान को देखते हुए समूचा प्रशासन शांति समझौते की दिशा में प्रगति होने का दिखावा कर रहा है। पुतिन को वार्ता टेबल पर लाने में अपनी असफलता को स्वीकार करने की बजाय ट्रंप यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे प्रमुख वार्ताकार और शानदार डील मेकर हैं।

एक जाने माने रणनीतिक विशेषज्ञ ने बताया कि पुतिन बड़ी दूर का गेम खेल रहे हैं जिसमें वे दक्षिण यूरोपीय क्षेत्र में सोवियत संघ के दबदबे के पुनः प्राप्त करना चाहते हैं। सोवियत संघ के दिनों में रूस का ब्लैक सी पर पूर्ण नियंत्रण था जैसे वो इसका अपना तालाब हो।

सोवियत संघ के विघटन के बाद इससे ब्लैक सी व आसपास का क्षेत्र छिन गया। रोमानिया और बुल्गारिया पश्चिमी यूरोप में चले गए तुर्की पहले से ही नाटो का प्रमुख सदस्य है इसलिए रूस नए सिरे से ब्लैक सी पर पकड़ बनाने के लिए काम कर रहा है।

पुतिन के इस खेल में ब्लैक सी एक महत्वपूर्ण खेल का मैदान है। पुतिन यूक्रेन के प्रमुख बंदरगाह और ओडेसा और ब्लैक सी पर पुन नियंत्रण करना चाहते हैं। इसलिए वे यूक्रेन के साथ युद्ध जारी रखना चाहते हैं और ब्लैक सी के तटवर्ती क्षेत्रों पर कब्जा कर रहे हैं।

ऐसा लगता है कि इन इच्छाओं के पूरा होने तक वे यूक्रेन युद्ध नहीं रोकेंगे। अमेरिकन कूटनीतिक व रणनीति के विशेषज्ञ इन दीर्घकालिक कारणों को देख रहे है इसलिए वे युद्ध रोकने के लिए रूस पर ज्यादा से ज्यादा दबाव डाले जाने के पक्ष में हैं।

डी.एम.के. के सांसद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि अभी तो जनगणना ही नहीं हुई है।

लेकिन परिसीमन का मुद्दा दक्षिण में आँधी-तूफान का रुप ले चुका है, क्योंकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन यह आशंका जताते हुये, इस जनसंख्या-आधारित कवायद का विरोध कर रहे हैं कि परिसीमन से दक्षिणी राज्यों की लोकसभा सीटें कम हो जायेंगी। स्टालिन ने 22 मार्च को चेन्नई में आयोजित होने वाली एक मीटिंग में शामिल होने के लिये दक्षिण के सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया है। ऐसी अपेक्षा है कि मीटिंग का फोकस इस बिन्दु पर रहेगा कि दक्षिण के राज्य जनसंख्या- आधारित परिसीमन का प्रतिरोध किस तरह करें।

परिसीमन की प्रक्रिया के अन्तर्गत, जनसंख्या के आधार पर संसदीय क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण किया जायेगा। 2026 में इस प्रक्रिया के अस्तित्व में आने की उम्मीद है।

जब एम.के. स्टालिन ने दक्षिणी राज्यों के अधिकारों के हनन की बात उठाई, तो गृहमंत्री अमित शाह ने 27 फरवरी को लोकसभा में बयान दिया कि मोदी सरकार के कार्यकाल में, प्रो-डाटा आधार पर होने वाले परिसीमन के बाद, किसी भी दक्षिणी राज्य की एक भी सीट कम नहीं की जायेगी।

एसआई पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गई हैं।

जानकारी के अनुसार, एसओजी एसआई भर्ती परीक्षा 2021 को लेकर एक बार फिर से बड़ा एक्शन करने का प्लान बना रही है। कुछ माह की जांच के दौरान, एसओजी को कई बड़े सबूत ट्रेनिंग कर रहे एसआई के बारे में मिले हैं। एसओजी इस बार बल्क में ट्रेनी एसआई गिरफ्तार करने की बजाय, एक-एक कर गिरफ्तार करेगी। इससे कोर्ट में इन लोगों को पेश करना और फिर रिमांड लेना आसान रहेगा। वहीं, जिन लोगों से पेपर लिया या फिर नकल की, उन बदमाशों से इन को आमने सामने बिठा कर पूछताछ होगी। इससे आगे की कई कड़ियां जुड़ेंगी।

गौरतलब है कि मंगलवार को ट्रेनी एसआई मोनिका (25) को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने गिरफ्तार किया था। ट्रेनी एसआई ने नकल गिरोह के सरगना पौरव कालेर से पेपर 15 लाख में पेपर खरीदा था। कालेर को गिरफ्तार करने पर ट्रेनी एसआई राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) जयपुर से फरार हो गई थी। इसके बाद झुंझुनूं में जॉइनिंग करने पहुंची ट्रेनी एसआई मोनिका को एसओजी ने गिरफ्तार कर लिया था।

वन रक्षक भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रकरण में कांस्टेबल देवाराम हाल पदस्थापित उदयपुर निवासी मीरपुरा जिला जालौर को बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया गया था । उसने पूछताछ में बताया कि वह अपनी भतीजी रेशमी कुमारी चिल्का, जिसका राजसमन्द परीक्षा सेन्टर आया था, को उदयपुर से राजसमन्द परीक्षा दिलाने लेकर गया एवं सांवलाराम जाट द्वारा लाये गये सॉल्वड पेपर को परीक्षा से पूर्व सांवलाराम ने पढ़ाया। इसकी एवज में सांवलाराम को रेशमी कुमारी का अन्तिम रूप से चयन होने पर पांच लाख रूपये दिये। एसओजी टीम, जयपुर ने रेशमी कुमारी को पदस्थापन रानीवाड़ा वन नाका से डिटेन कर पेश किया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। इस प्रकरण में पूर्व से गिरफ्तार सांवलाराम जाट, कंवराराम जाट,कांस्टेबल भीयाराम,देवाराम व कमलेश का 24 मार्च 2025 तक पीसी रिमांड प्राप्त किया।

30 अप्रैल से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साहिब 25 मई को भक्तों के लिए खोला जाएगा।

यात्रा शुरू होने के बाद, हरिद्वार और ऋषिकेश में ऑफलाइन पंजीकरण प्रक्रिया भी शुरू होगी।

जो श्रद्धालु ऑनलाइन पंजीकरण नहीं कर सकते, वे ऑफलाइन पंजीकरण कर यात्रा पर जाएंगे। चारों धामों में यात्रियों को दर्शन के लिए भी टोकन व्यवस्था लागू होगी।

क्या श्री शुभम लॉजिस्टिक को "120 करोड़ रूपए" का अवांछित लाभ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुभागों, पत्रावलियों पर होने वाले निर्णयों का अपने स्तर पर परीक्षण कर अनुमोदन करवाते थे। पारीक निगम के समस्त अनुभागों के कार्यों का सुपरविज़न किया करते थे। पाठकों को बता दें कि विश्वास पारीक आर.ए.एस. एलाइड सर्विसेज (आर.ए.एस. अधीनस्थ सेवा) में चयनित होकर लेखा विभाग में नियुक्त हुए थे, जिन्हें राज्य भंडारण निगम में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया था।

वहीं, योगेश कुमार निगम में संयुक्त निदेशक (विकास) के पद पर कार्यरत थे और उनके द्वारा श्री शुभम लॉजिस्टिक से संबंधित समस्त कार्यों का सम्पादन किया जाता था। पाठकों को बता दें कि योगेश कुमार वर्मा कृषि विभाग में पदस्थापित अधिकारी थे, जिन्हें भंडारण निगम में डेपुटेशन में भेजा गया था। इन दोनों अधिकारियों पर गंभीर आरोप है कि इन्होंने श्री शुभम लॉजिस्टिक को 100 करोड़ रूपए से ज्यादा का अवांछित लाभ पहुँचाया, जबकि यह स्पष्ट था कि श्री शुभम लॉजिस्टिक ने अनुबंध की कई शर्तों का उल्लंघन किया था। जैसे- बैंक गारंटी नहीं देना, कृषि उपज का इंश्योरैंश नहीं कराना और ऐसे सरकारी गोदामों का पूर्ण मैनेजमैंट इन प्राइवेट कंपनियों के हाथों में दे दिया गया, जिनका उल्लेख अनुबंध में नहीं था।

गौरतलब है कि इस मामले में जाँच को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के कृषि विभाग और गैर राज्य प्रशासनिक सेवाओं के संबंधी विभाग को भी एसीबी को अनुमति देनी होगी कि वह भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत इन दो सरकारी अफसरों के खिलाफ जाँच कर सके। यहाँ गौरतलब बात यह भी है कि एसीबी ने इस मामले में "प्रिलिमिनरी" जाँच मंत्री किरोड़ी लाल के 16 मई 2024 के शिकायती पत्र मिलने के बाद 22 मई को शुरु कर दी थी, परन्तु अब लगभग 10 महीने बाद इन दो अफसरों के खिलाफ जाँच करने की अनुमति ले पाई है। सवाल यह उठ रहा है कि इस जाँच में इतना विलम्ब क्यों, जबकि राज्य सरकार कई वरिष्ठ अफसरों की बैठक में यह मान चुकी है कि श्री शुभम लॉजिस्टिक ने अनुबंध का उल्लंघन किया था और उसे अवांछित लाभ मिला था।

वरिष्ठ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोकसेवा आयोग अजमेर की ओर से आयोजित वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा विषय विज्ञान 2022 में आरोपित प्रवीण कुमार और देवाराम विश्नोई ने स्वयं परीक्षा नहीं दी थी, परीक्षा उनके स्थान पर डमी कैन्डीडेट्स द्वारा दी गई थी।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डोनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डोनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908